ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 11-08-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-08-11 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-08-12	2023-08-13	2023-08-14	2023-08-15	2023-08-16
वर्षा (मिमी)	60.0	50.0	110.0	110.0	45.0
अधिकतम तापमान(से.)	22.0	21.0	19.0	18.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	16.0	15.0	14.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	75	75	75	70
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	4	4
पवन दिशा (डिग्री)	70	140	140	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	8	8	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 16 अगस्त तक 45-110 मिमी तक मध्यम से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18.0 से 22.0 डिग्री सेल्सियस और 14-16.0 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 4.0-6.0 किमी/घंटा की गति से हवा चलेगी। 11, 12, 13, 14 और 15 अगस्त को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान आने की संभावना है। 16 अगस्त 2023 को नैनीताल में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/आंधी चलने की संभावना है। चेतावनी: 11 और 15 अगस्त के लिए भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ बिजली/तूफान और तीव्र बारिश के संबंध में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जबकि 12, 13 और 14 को क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर ऐसी ही स्थिति को लेकर रेड अलर्ट दिया गया है ।

सामान्य सलाहकार:

3 से 9 अगस्त के दौरान वास्तविक वर्षा 115 मिमी थी जबकि सामान्य वर्षा 93 मिमी थी राज्य के लिए वर्षा 24% विचलन दर्शाता है और यह स्थिति अत्यधिक वर्षा की स्थिति दर्शाती है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स कर सकते हैं गूगल प्ले स्टोर (Android उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें मदद मिलेगी कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेना।

लघु संदेश सलाहकार:

जिले में मध्यम से बहुत भारी वर्षा हो सकती है, इसलिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और

किसी भी बुवाई कार्य को फिलहाल विलंबित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	सभी रासायनिक छिड़कावों से बचना चाहिए और खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए।
रागी	सभी रासायनिक छिड़कावों से बचना चाहिए और खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए।
मक्का	खेत में उचित जल निकास बनाये रखें तथा खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए ही की जानी चाहिए।
मूँग	फसल की बुआई में देरी करनी चाहिए और पिछले महीने की फसल में खेती गतिविधियों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
काला चना	फसल की बुआई में देरी करनी चाहिए और पिछले महीने की फसल में खेती गतिविधियों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
सोयाबीन	खेत में उचित जल निकास बनाये रखें तथा खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए ही की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	फिलहाल बुआई गतिविधियों में देरी हो सकती है और अन्य सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
गोभी	मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में पत्तागोभी, फूलगोभी, ब्रोकोली और नोल-खोल के साथ-साथ मूली और शलजम जैसी जड़ वाली फसलों की रोपाई में देरी की जानी चाहिए। पूर्वानुमानित वर्षा के अनुसार जल निकासी के उचित उपाय किये जाने चाहिए।
टमाटर	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
शिमला मिर्च	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
बैंगन	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
कद्दू	कटी हुई फसल का भण्डारण उचित प्रकार से करना चाहिए तथा खड़ी फसल में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशु के ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक कोई एक दवा 200 मिली मात्रा से सुबह-शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। इस माह में संक्रामक वत्स अतिसार की समस्या काफी होती है अतः पशुशाला की दिन में 2-3 बार सफाई कर डिसइन्फेक्टेंट का इस्तेमाल करें। गाय/भैसों को ब्याने के लगभग दो हफ्ते बाद कृमिनाशक दवा जरूर दें, इसके साथ ही लीवर टॉनिक, लवण मिश्रण तथा रुधिर वर्धक अदि दवा भी 15 दिनों तक देनी चाह
भेंस	पशु के ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक कोई एक दवा 200 मिली मात्रा से सुबह-शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। इस माह में संक्रामक वत्स अतिसार की समस्या काफी होती है अतः पशुशाला की दिन में 2-3 बार सफाई कर डिसइन्फेक्टेंट का इस्तेमाल करें। गाय/भैसों को ब्याने के लगभग दो हफ्ते बाद कृमिनाशक दवा जरूर दें, इसके साथ ही लीवर टॉनिक, लवण मिश्रण तथा रुधिर वर्धक अदि दवा भी 15 दिनों तक देनी चाहिए।